१ तिरंगा

छूता है आकाश तिरंगा
बादल के है पास तिरंगा
भारत की है आस तिरंगा
भारत के ऊपर छाया है
दूर हवा में लहराया है
सूरज ने आ चमकाया है
हम गाते हैं इसका गाना
'जन-गण-मन' है गीत सुहाना
इस झंडे के नीचे आना
जब गुलाम था भारत प्यारा
तब झंडा था यही सहारा
इस झंडे से दुश्मन हारा
हमने इसका गाना गाया
सारा देश उमड़कर आया
उस दिन था दुश्मन घबराया
कितनों ने ही की कुर्बानी
उनकी है यह ध्वजा निशानी
वे थे सब स्वदेश अभिमानी
हम सबसे है बड़ा तिरंगा
अडिग भाव से खड़ा तिरंगा
सबके मन में चढ़ा तिरंगा।

–श्रीप्रसाद

ख) भारत का सहारा कौन था?

ग) आप देश के लिए क्या-क्या कर सकते हैं? अध्यापिका से चर्चा करें व अपने विचारों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में लगाइए।

भाषा से

१. **कविता से लयात्मक शब्द छाँटकर लिखिए।**

जैसे– छाया	लहराया	चमकाया
क)	....	....
ख)	....	....
ग)	....	....
घ)		

२. **शब्द सीढ़ी बनाइए।**

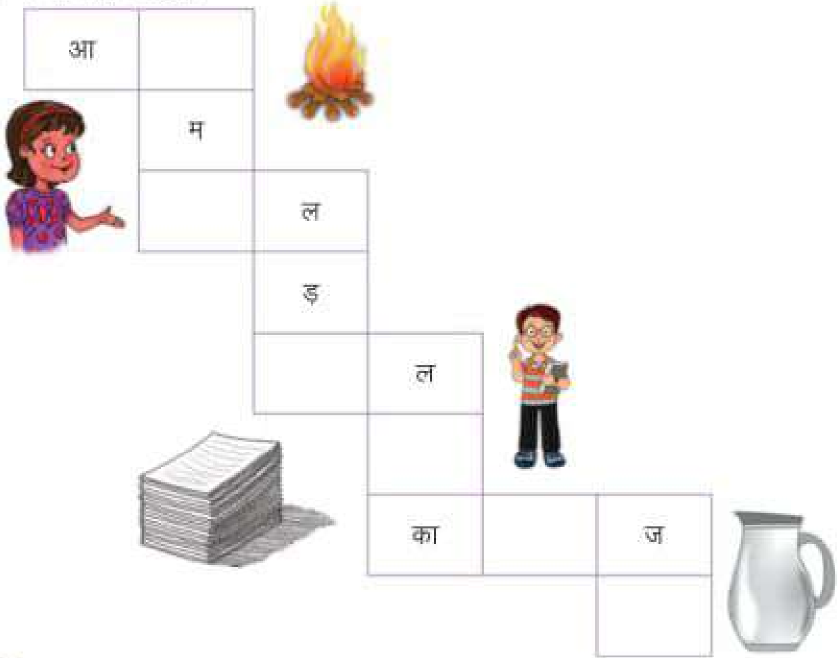

३. शब्दों से नए वाक्य बनाइए।

क) बादल ....

ख) गीत ....

ग) सूरज ....

घ) सूरज ....

मेरी बात

(शब्द-संकेत– विदेशियों, विशाल, भारतवासियों, भरत, राष्ट्रीय, निर्माण)

भारत एक .... देश है। हमारे देश का यह नाम सूर्यवंशी राजा '....................' के नाम पर पड़ा। फिर .... ने आकर भारत पर राज किया। आजादी के बाद देश का नए तरीके से .... किया गया। बाघ, मोर, आम, बरगद, कमल, तिरंगा झंडा, अशोक स्तंभ .... चिह्न बने। हम सब .... को मिल-जुलकर रहना है।

सुनें और लिखें

शब्दों को ध्यान से सुनकर अपनी कॉपी में लिखिए।

आकाश, सुहाना, दुश्मन, कुर्बानी, अभिमानी

गतिविधियाँ

१. यदि आप किसी सैनिक से मिलते हैं, तो उनसे क्या बातचीत करेंगे?

२. अपने विद्यालय में आपने तिरंगा झंडा कहाँ-कहाँ देखा है, उन जगहों के नाम लिखिए।

मैंने सीखा

राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना चाहिए।

शब्द-संसार

आस	=	भरोसा	गुलाम	=	मोल लिया हुआ दास, साधारण सेवक
कुर्बानी	=	बलिदान	अडिग	=	अपने स्थान से न हटनेवाला

अभ्यास-कार्य

बोलकर

१. बादल के पास क्या है?

२. झंडे से कौन हार गया?

३. किस सुहाने गीत की बात कही गई है?

लिखकर

१. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए।

क) तिरंगा .... को छूता है। (आकाश, पक्षी)

ख) .... ने तिरंगे को चमका दिया। (चाँद, सूरज)

ग) हम सबसे .... तिरंगा है। (बड़ा, छोटा)

२. सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाइए।

क) बादल के पास तिरंगा है।

ख) सबके मन में बादल बसा हुआ है।

ग) इस तिरंगे के लिए कई लोगों ने कुर्बानी दी है।

३. प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) तिरंगा कहाँ लहरा रहा है?

२ मिट्ठू

बंदरों के तमाशे तो तुमने बहुत देखे होंगे। मदारी के इशारों पर बंदर कैसी-कैसी नकल करता है, उसकी शरारतें भी तुमने देखी होंगी। तुमने उसे घरों से कपड़े उठाकर भागते देखा होगा। पर आज हम तुम्हें एक ऐसा किस्सा सुनाते हैं, जिससे मालूम होगा कि बंदर बच्चों से दोस्ती भी कर सकता है।

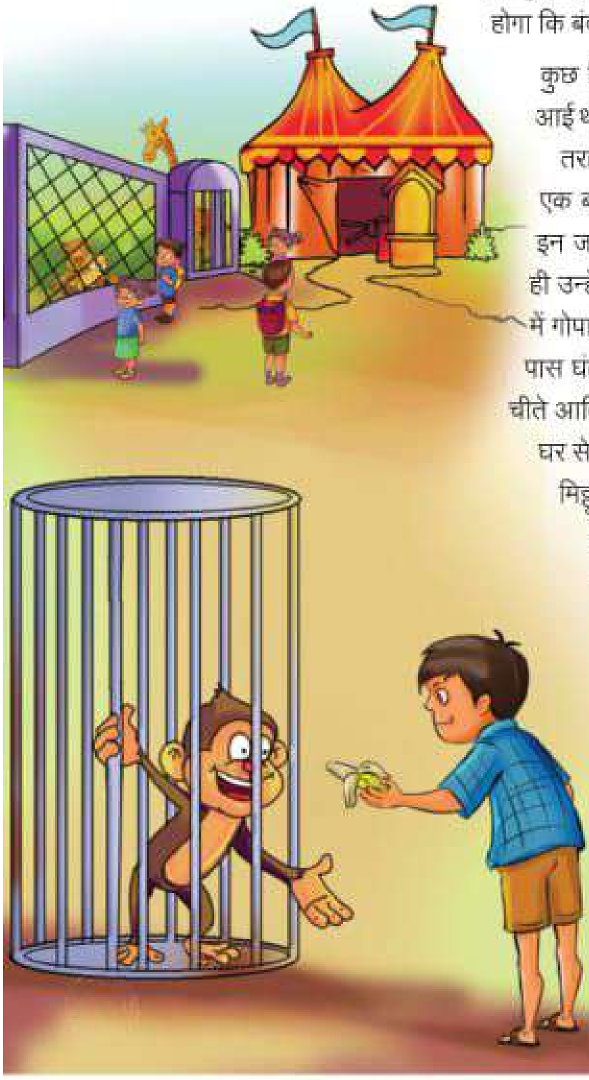

कुछ दिन हुए लखनऊ में एक सर्कस-कंपनी आई थी। उसके पास शेर, भालू, चीता और कई तरह के अन्य जानवर भी थे। इनके अलावा एक बंदर 'मिट्ठू' भी था। बच्चों के झुंड रोज इन जानवरों को देखने आया करते थे। मिट्ठू ही उन्हें सबसे अच्छा लगता था। उन्हीं बच्चों में गोपाल भी था। वह रोज आता और मिट्ठू के पास घंटों चुपचाप बैठा रहता। उसे शेर, भालू, चीते आदि से कोई प्रेम न था। वह मिट्ठू के लिए घर से चने, मटर, केले लाता और खिलाता। मिट्ठू भी उससे इतना घुल-मिल गया था कि बगैर उसके खिलाए कुछ न खाता।

इस तरह दोनों में बड़ी दोस्ती हो गई। एक दिन गोपाल ने सुना कि सर्कस-कंपनी वहाँ से दूसरे शहर में जा रही है।

यह सुनकर उसे बड़ा दुख हुआ। वह रोता हुआ अपनी माँ के पास आया

और बोलने लगा, "अम्मा, मुझे एक अठन्नी दो। मैं जाकर मिट्ठू को खरीद लाऊँ। वह न जाने कहाँ चला जाएगा? फिर मैं उसे कैसे देखूँगा? वह भी मुझे न देखेगा तो रोएगा।"

माँ ने समझाया, "बेटा, बंदर किसी को प्यार नहीं करता। वह तो बड़ा शैतान होता है। यहाँ आकर सबको काटेगा, बेकार में शिकायतें सुननी पड़ेंगी।" लेकिन लड़के पर माँ के समझाने का कोई असर न हुआ। वह रोने लगा। आखिर माँ ने मजबूर होकर उसे एक अठन्नी निकालकर दे दी।

अठन्नी पाकर गोपाल खुशी के मारे झूम उठा। उसने अठन्नी को मिट्टी से मलकर खूब चमकाया और मिट्ठू को खरीदने चला। लेकिन मिट्ठू वहाँ दिखाई न दिया। गोपाल का दिल भर आया, मिट्ठू कहीं भाग तो नहीं गया? मालिक को अठन्नी दिखाकर गोपाल बोला, "क्यों साहब, मिट्ठू को मेरे हाथ बेचेंगे?"

मालिक ने चुपचाप सुन लिया, कोई जवाब नहीं दिया। गोपाल मिट्ठू को इधर-उधर ढूँढ़ने लगा। वह उसे ढूँढ़ने में इतना मगन था कि उसे किसी बात की खबर न थी। उसे बिल्कुल मालूम न था कि वह चीते के कठघरे के पास आ गया था। चीता भीतर चुपचाप लेटा था। गोपाल को कठघरे के पास देखकर उसने पंजा बाहर निकाला और उसे पकड़ने की कोशिश करने लगा। गोपाल तो दूसरी तरफ देख रहा था। उसे खबर ही नहीं थी कि चीते का तेज पंजा उसके हाथ के पास पहुँच गया है। वह इतना करीब था कि चीता उसका हाथ पकड़कर खींच ले। इतने में मिट्ठू न जाने कहाँ से आकर उसके पंजे पर कूद पड़ा और उसे दाँतों से काटने लगा। चीते ने दूसरा पंजा निकालकर मिट्ठू को ऐसा घायल कर दिया कि वह वहीं पर गिर पड़ा और जोर-जोर-से चीखने लगा।

मिट्ठू की यह हालत देखकर गोपाल भी रोने लगा। दोनों का रोना सुनकर लोग दौड़े, देखा तो मिट्ठू बेहोश पड़ा है और गोपाल रो रहा है। मिट्ठू का घाव तुरंत धोया गया और मलहम लगाया गया। थोड़ी देर में उसे होश आ गया। वह गोपाल की ओर प्यार भरी आँखों से देखने लगा, जैसे कह रहा हो कि अब क्यों रोते हो? मैं तो अच्छा हो गया।

कई दिन मिट्ठू की मलहम-पट्टी होती रही। धीरे-धीरे वह बिल्कुल अच्छा हो गया। गोपाल अब रोज आता और उसे रोटियाँ खिलाता। आखिर कंपनी के चलने का दिन आ गया। गोपाल बहुत दुखी था। वह मिट्ठू के कठघरे के पास खड़ा आँसू भरी आँखों से देख रहा था कि मालिक ने आकर कहा, "अगर तुम्हें मिट्ठू मिल जाए तो क्या करोगे?"

गोपाल ने कहा, "मैं उसे अपने साथ ले जाऊँगा, उसके साथ खेलूँगा। उसे अपनी थाली में खिलाऊँगा, और क्या?"

मालिक ने कहा, "अच्छी बात है, मैं बिना अठन्नी लिए इसे तुम्हें दे देता हूँ।" गोपाल को जैसे कोई खजाना मिल गया हो। उसने मिट्ठू को गोद में उठा लिया, पर मिट्ठू नीचे कूद पड़ा और उसके पीछे-पीछे चलने लगा। दोनों खेलते-कूदते घर पहुँच गए।

–प्रेमचंद

शब्द-संसार

अठन्नी = पचास पैसे का सिक्का

खरीदना = मूल्य देकर लेना

कठघरा = पिंजरा

घाव = चोट

मलहम = दवाई

खजाना = भंडार

अभ्यास-कार्य

बोलकर

१. किस शहर में सर्कस कंपनी आई थी?

२. कहानी में मिट्ठू किसका नाम है?

३. सर्कस कंपनी में कौन-कौन-से जानवर थे?

४. मिट्ठू किससे घुल-मिल गया था?

लिखकर

१. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

क) गोपाल ने सुना कि ______________ वहाँ से दूसरे शहर में जा रही है। (सर्कस कंपनी, ट्रांसपोर्ट कंपनी)

ख) मिट्ठू बंदर को गोपाल ______________ चाहता था। (बेचना, खरीदना)

ग) माँ ने समझाया, "बेटा, बंदर बड़ा ______________ होता है।" (भोला, शैतान)

घ) गोपाल ने अठन्नी को ______________ से मलकर खूब चमकाया। (मिट्टी, साबुन)

२. सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाइए।

क) चीते ने पंजे से मिट्ठू को घायल कर दिया। ( )

ख) मालिक ने मिट्ठू को अठन्नी में बेच दिया। ( )

ग) गोपाल मिट्ठू को खिलाने के लिए घर से चने, मटर और केले लाता था। ( )

घ) गोपाल मिट्ठू की हालत पर रोने लगा। ( )

३. सही जोड़े बनाइए।

क) कठघरा — i)

ख) मिट्ठू — ii)

ग) चीता — iii)

घ) अठन्नी — iv)

४. प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) गोपाल क्या सुनकर दुखी हो गया?

ख) गोपाल मिट्ठू को घर क्यों लाना चाहता था?

ग) अपने सबसे अच्छे दोस्त की किसी एक अच्छाई के बारे में लिखिए।

घ) आपके अनुसार पक्षियों या जानवरों को पिंजड़े में रखना चाहिए या नहीं? कारण लिखिए।

भाषा से

१. **रेखांकित शब्दों के समानार्थी शब्द चुनकर वाक्य को फिर से लिखिए।**

(बादल, राजा, कमल, पानी, माँ)

क) तालाब में अंबुज खिले हैं।

ख) गिलास नीर से भरा हुआ है।

ग) आसमान में घन छाए हैं।

घ) मेरी जननी मुझे बहुत प्यार करती है।

ङ) इंद्र स्वर्ग के नरेश हैं।

२. **शब्दों से नए वाक्य बनाइए।**

क) सर्कस-कंपनी ______________________

ख) बंदर ______________________

ग) खजाना ______________________

घ) उदास ______________________

मेरी बात

(शब्द-संकेत– हलवा, खाना, घर, शनिवार, जानवर, होटल, खेल, चिड़ियाघर)

दोस्तो ! मैं पिछले ________ को अपने परिवार के साथ ________ गया था। वहाँ मैंने कई ________ देखे। हमने कई ________ खेले। कुछ समय के बाद हम एक ________ में गए। वहाँ हमने भरपेट ________ खाया। वहाँ का ________ स्वादिष्ट था। फिर हम वापस ________ आ गए।

सुनें और लिखें

शब्दों को ध्यान से सुनकर अपनी कॉपी में लिखिए।

बंदर, कपड़े, अम्मा, तेज, पंजा, आँसू

गतिविधियाँ

१. पालतू जानवर और जंगली जानवरों की सूची बनाइए।

२. संकेतों के आधार पर "चिड़ियाघर की सैर" विषय पर एक कहानी लिखिए।

दो दोस्त .... दशहरे की छुट्टियाँ .... दोनों का चिड़ियाघर देखने जाना .... कई तरह के जानवर और पक्षी देखना .... एक दोस्त का बंदर के साथ छेड़खानी करना .... बंदर का गुस्सा हो जाना .... दूसरे दोस्त का समझाना .... भविष्य में कभी किसी जानवर को परेशान न करने का वादा करना .... सीख।

मैंने सीखा

हमें पशु-पक्षियों को पिंजड़े में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि सभी को अपनी आजादी अच्छी लगती है।